भारतीय शेयर बाजार में मचा कोहराम

निवेशकों के करीब 11 लाख करोड़ रुपये डूबे

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर. इजरायल और ईरान में जंग के बीच भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिल रही है, सेंसेक्स में 1600 अंकों से ज्यादा ज्यादा गिरावट दर्ज की गई,जबकि निफ्टी 500 से ज्यादा अंक टूट गए. भारतीय बाजार में इस गिरावट से निवेशकों के करीब 11 लाख करोड़ रुपये डूब चुके हैं.

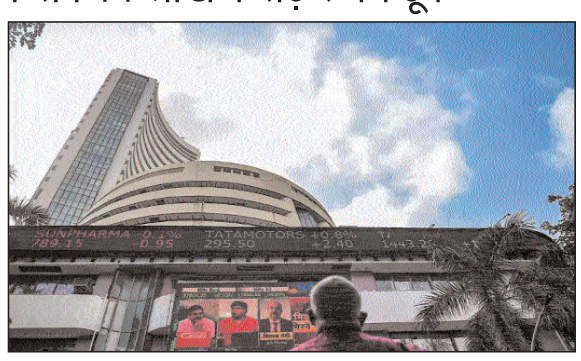

इस गिरावट का असर लगभग सभी सेक्टर्स पर दिख रहा है. निफ्टी-50 में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है. मिडकैप और स्मॉल कैप शेयर भी बिल्कुल संभल नहीं पा रहे हैं. हालांकि इन सबके बीच कुछ चुनिंदा शेयर हैं, जिनपर गिरावट का कोई असर नहीं हो रहा है.

शक्ति पंप में जोरदार तेजी - इस कड़ी में एक नाम आता है शक्ति पंप,इस शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लगा है, लगातार तीसरे दिन शक्ति पम्प के शेयर में अपर सर्किट लगा है. इस तेजी के साथ ही शक्ति पंप का शेयर बीएसई पर 4,708.35 रुपये पर पहुंच गया है, इस स्टॉक का 52 वीक हाई 5,075.45 रुपये है, और 52 वीक लो 843.55 रुपये है.दरअसल, इस तेजी के पीछे कंपनी का एक फैसला है. पिछले हफ्ते ने कंपनी ने बताया कि बोर्ड मीटिंग सोमवार 7 अक्टूबर 2024 को होने वाली है. बैठक में बोनस शेयर को लेकर फैसला हो सकता है. एक्सचेंज फाइलिंग में शक्ति पंप ने बताया कि कि बोर्ड मीटिंग में हर एक 1 मौजूदा इक्विटी शेयर पर 5 बोनस शेयर जारी करने पर विचार किया जा सकता है. इस ऐलान के साथ ही गिरते बाजार में भी शक्ति पम्प के शेयर में तेजी जारी है.

कंपनी का बोर्ड कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों को 10 रुपये फेस वैल्यू वाले प्रत्येक मौजूदा इक्विटी शेयर के बदले 10 रुपये प्रत्येक के पांच नए पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर जारी किया जा सकता है.

इस साल अभी तक 314.91% का रिटर्न

पिछले छह महीने में शक्ति पम्प के शेयर ने निवेशकों को 204.99त्न का रिटर्न दिया है. यानी शेयर ने छह महीने में ही निवेशकों के पैसे को तीन गुना किया है. जनवरी से लेकर अभी तक इस शेयर ने 314.91 प्रतिशत का रिटर्न दिया है. एक साल पहले यह शेयर 874 रुपये प्रति शेयर पर थे, जो अब 4,270.65 रुपये पर पहुंच गए हैं.

महिंद्रा थार की बुकिंग शुरू होते ही मचाई

एक घंटे में हुई 176,218 यूनिट्स की रिकॉर्ड बुकिंग

मुंबई, 03 अक्टूबर (वार्ता) एसयूवी निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड को हाल ही लॉन्च की गई थार रॉक्स के लिए गुरूवार को सुबह 11 बजे बुकिंग शुरू होने के 60 मिनट के भीतर 176218 बुकिंग मिली है.

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह अभूतपूर्व प्रतिक्रिया थार रॉक्स की व्यापक अपील को दर्शाती है, जिसने देश भर के ग्राहकों को आकर्षित किया है. अपने शानदार डिजाइन, परिष्कृत ड्राइविंग अनुभव, शक्तिशाली प्रदर्शन, बेजोड़ ऑफ-रोडिंग क्षमता, शीर्ष स्तरीय सुरक्षा सुविधाओं, विशाल इंटीरियर और उन्नत तकनीक के साथ, थार रॉक्स एसयूवी सेगमेंट में एक श्रेणी विघटनकर्ता के रूप में नए मानक स्थापित करना जारी रखता है. थार रॉक्स की डिलीवरी दशहरा के शुभ अवसर पर शुरू होगी. महिंद्रा अपने ग्राहकों की उत्साही प्रतिक्रिया के लिए आभारी है और एक निर्बाध डिलीवरी अनुभव को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है. डिलीवरी शुरू होने के बाद, महिंद्रा अगले तीन हफ्तों में चरणबद्ध तरीके से अपने संभावित डिलीवरी शेड्यूल के बारे में ग्राहकों को सूचित करेगा.

इसकी बुकिंग सभी अधिकृत महिंद्रा डीलरशिप और महिंद्रा वेबसाइट पर खुली रहेगी.

यूपीएस जल्द होगी लागू

नोटिफिकेशन 15 अक्टूबर को जारी होने की संभावना

नई दिल्ली, 03 अक्टूबर. केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम वैसे तो एक अप्रैल 2025 से लागू होगा लेकिन इसे लॉन्च पहले किया जा सकता है. त्योहारी सीजन के दौरान 15 अक्टूबर 2024 को यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर सरकार नोटिफिकेशन जारी कर सकती है. नए पेंशन स्कीम सरकार की बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है जिससे लाखों केंद्रीय कर्मचारी लाभांवित होंगे.

रिपोर्ट के मुताबिक कैबिनेट सचिव टीवी सोमानाथन यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर लगातार अलग अलग मंत्रालयों और डिपार्टमेंट्स के साथ बैठक कर रहे हैं जिससे नई पेंशन स्कीम को आसानी से अमल में लाया जा सके. वित्त सचिव रहते हुए टीवी सोमानाथन ही उस कमिटी के अध्यक्ष थे जिसे नेशनल पेंशन स्कीम की समीक्षा करने की जिम्मेदारी दी गई थी. सोमानाथन कमिटी की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लाने का फैसला किया है.

क्या है यूपीएस की खासियत

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में केंद्रीय कर्मचारियों के रिटायरमेंट से पहले की 12 महीने की बेसिक सैलेरी+डीए का जो औसत बनेगा वही एश्योर्ड पेंशन के तौर पर दिया जाएगा. यूनिफाइड पेंशन स्कीम में कर्मचारियों को पेंशन फंड में अपना योगदान देना होगा. कर्मचारियों को यूपीएस में अपने बेसिक पे और डीए का 10 फीसदी पेंशन फंड में देना होगा जैसे वे एनपीएस में करते आए हैं.

सरकार कर्मचारी के लिए पेंशन फंड में अपनी तरफ से 18.5 फीसदी का योगदान देगी जो एनपीएस में 14 फीसदी थी. यानि सरकार यूपीएस में अपने योगदान को बढ़ाने जा रही है. यूनिफाइड पेंशन स्कीम में कम से कम 25 वर्षों तक के सर्विस के बाद ही तय फॉर्मूले के तहत सरकारी कर्मचारी एश्योर्ड पेंशन पाने का हकदार होंगे.

इस नए पेंशन स्कीम से 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को फायदा होगा और इस पेंशन स्कीम की बड़ी खासियत ये है कि रिटायरमेंट पर कर्मचारियों को एश्योर्ड पेंशन मिलेगा जो एनपीएस में नहीं था.

कैबिनेट ने यूपीएस पर लगाई थी मुहर

24 अगस्त, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नई पेंशन स्कीम पर मुहर लगाते हुए सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफायड पेंशन स्कीम को लॉन्च करने का फैसला लिया गया था.

किआ ने लॉन्च की दो नई कारें

कार्निवल और ईवी9 भारत में उपलब्ध शुरुआती कीमत 63.90 लाख रुपये

नयी दिल्ली 03 अक्टूबर (वार्ता) प्रीमियम यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने भारत में लंबे इंतजार के बाद किआ कार्निवल एमपीवी और ईवी9 इलेक्ट्रिक एसयूवी को लॉन्च गुरूवार को लाँच करने की घोषणा की जिसमें किआ ईवी 9 की एक्स शोरूम कीमत 1299000 रुपये और कार्निवल की कीमत 63.90 लाख रुपये है.

कंपनी ने किआ कार्निवल को दो वेरिएंट और ईवी9 को सिर्फ एक वेरिएंट के साथ मार्केट में उतारा गया जाएगा. इनकी डिलीवरी आने वाले महीनों में शुरू कर दी जाएगी. एमपीवी को दो वेरिएंट लिमोसिन और लिमोसिन प्लस के रूप में उतारा गया है, जिसकी शुरुआती कीमत 63.90 लाख रुपये है.कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ग्वांग्गु ली ने यहां इन दोनों वाहनों को लाँच करने के अवसर पर कहा किकिआ ईवी9 के साथ लॉन्च की गई कार्निवल एमपीवी में कई सारे फीचर्स दिए गए हैं. कार्निवल में डुअल सिंगल-पैन इलेक्ट्रिक सनरूफ, इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट पैनल के लिए ट्विन 12.3-इंच डिस्प्ले, पावर्ड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड रियर डोर, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर के साथ 360-डिग्री सराउंड कैमरा, थ्री-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, 12-म्यूजिक सिस्टम और लेवल 2 एडीएएस सूट दिया गया है.

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नयी दिल्ली 03 अक्टूबर (वार्ता) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवपर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे.तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है. दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा.

कोयला उत्पादन में वृद्धि

चालू वित्त वर्ष में उत्पादन और आपूर्ति में उछाल

नयी दिल्ली, 03 अक्टूबर. कैप्टिव तथा वाणिज्यिक दोनों कोयला ब्लॉक से कोयला उत्पादन चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में 32 प्रतिशत बढ़कर 7.972 करोड़ टन (एमटी) हो गया.गत वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में कैप्टिव तथा वाणिज्यिक दोनों कोयला ब्लॉक से कोयला उत्पादन 6.052 करोड़ टन था.

कोयला आपूर्ति में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 6.537 करोड़ टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 8.786 करोड़ टन हो गई.कोयला मंत्रालय ने बयान में कहा,वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही यानी एक अप्रैल 2024 से 30 सितंबर 2024 के दौरान कैप्टिव तथा वाणिज्यिक दोनों कोयला ब्लॉक से कोयला उत्पादन व आपूर्ति में सालाना आधार पर उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई.कोयला उत्पादन सितंबर 2023 के 1.040 करोड़ टन से 32 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 1.374 करोड़ टन हो गया. सितंबर महीने में आपूर्ति में सालाना आधार पर 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो पिछले साल के 96.8 लाख टन से बढ़कर इस साल 1.427 करोड़ टन हो गई.

नवरात्रि में चमका सोना

चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर.नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी आ गई है. हालांकि चांदी के भाव में गुरुवार को भी कोई बदलाव नहीं हुआ है.

सोने के भाव में उछाल आने के कारण आज सोना 500 से 560 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. सोने की इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,610 रुपये से लेकर 77,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,160 रुपये से लेकर 71,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 94,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है.

उत्तर पूर्व में पहला पतंजलि वेलनेस केंद्र

स्वामी रामदेव की उपस्थिति में गुवाहाटी में हुआ केंद्र का शुभारंभ

गुवाहाटी, 3 अक्टूबर. उत्तर पूर्व भारत के पहले एकीकृत समग्र स्वास्थ्य केंद्र, पतंजलि वेलनेस केंद्र का उद्घाटन सामाजिक सुधारक रिंकी भुयान शर्मा ने योग ऋषि स्वामी रामदेवजी की उपस्थिति में किया. गुवाहाटी में स्थित इस केंद्र का उद्देश्य योग, आयुर्वेद, पंचकर्मा, शतकर्मा, लीच थेरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी विविध स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है.

शंकरदेवजी और मधव देवजी के उपदेशों से प्रेरित होकर, केंद्र का उद्देश्य स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक व्यापक, एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करना है. स्वामी रामदेवजी और आचार्य बालकृष्णजी के मार्गदर्शन में, केंद्र का संचालन पूज्य साध्वी देव स्वरूपजी, स्वामी जगतदेवजी और स्वामी समग्रदेवजी करेंगे.पतंजलि योगपीठ ट्रस्ट भी असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में शिक्षा, जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न पहलों में सक्रिय है.

रुपया में 11 पैसे की गिरावट

नयी दिल्ली 03 अक्टूबर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव की चिंताओं के बीच घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक धारणा के कारण रुपया बृहस्पतिवार को 11 पैसे की गिरावट के साथ 83.93 प्रति डॉलर पर आ गया. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पूंजी बाजारों से विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा अमेरिकी मुद्रा के मजबूत रुख से भी भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा.

समाचार विशेष

महाराष्ट्र के लिए शाह का एजेंडा सेट

मुंबई. लोकसभा चुनाव में बीजेपी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीसरा शासनकाल सहयोगी दलों की बैसाखी पर टिका है. लेकिन इसके बावजूद बीजेपी ने वर्ष 2029 के लिए अपना एजेंडा सेट कर लिया है. बीजेपी 2029 में अपने दम पर सरकार बनाने की योजना पर काम शुरू हो गया है. इसका खुलासा बीजेपी में दूसरे सबसे बड़े नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया.

मुंबई दौरे पर आए शाह ने मंगलवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के दौरान 2024 महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का एजेंडा सेट कर दिया. उन्होंने विश्वास के साथ दावा किया कि 2024 में महायुति की ही सरकार आएगी लेकिन हमें 2029 में अपने दम पर सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना है.

दादर के स्वामी नारायण मंदिर स्थित एक हॉल में आयोजित बीजेपी की बैठक में अमित शाह ने कहा कि मैं एक कार्यकर्ता से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक पहुंचा. इसलिए जब मैं कार्यकर्ताओं से बातचीत करता हूं तो मुझे बहुत खुशी होती है. मेरे अनुभव रहा है कि इस देश में कुछ चुनाव राजनीति की दिशा तय करते हैं. महाराष्ट्र चुनाव देश की राजनीति की दिशा और दशा बदल देगा.

60 वर्षों में किसी भी राजनीतिक दल ने लगातार तीन बार जीत हासिल नहीं की है. 2024 में महायुति की जीत पत्थर लकीर है. महायुति की सरकार आएगी ही. लेकिन अपने भाषण के दौरान शाह ने 2029 में अपने दम पर बीजेपी सरकार बनाने की मंशा को दो बार उजागर किया.

कार्यकर्ताओं को लगाई डांट- सूत्रों से जानकारी मिल रही है कि अमित शाह ने अपने भाषण शुरू करने से पहले कार्यकर्ताओं को डांट लगाते हुए अपने भाषण की वीडियो बनाने से मना कर दिया. बाद में उन्होंने कहा कि काम करते समय वाद-विवाद होते रहते हैं, लेकिन उनका अंत होना चाहिए. जिस संगठन में मतभेद होते हैं, कार्यकर्ता अलग-अलग दिशाओं में काम करते हैं, वह कभी सफल नहीं होता. इसलिए हमें चुनाव से पहले अपने मतभेदों को दूर करना होगा. गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा में जब हम केवल 2 सीटें जीते थे, उस समय भी एक भी कार्यकर्ता ने हमारी पार्टी नहीं छोड़ी, यह हमारा इतिहास है.

80 के दशक के कार्यकर्ताओं को पता था कि वे चुनाव हारने वाले हैं. फिर भी परवाह नहीं की. हम श्रेष्ठ भारत बनाने के लिए राजनीति में आये हैं. प्रधानमंत्री या किसी पद के लिए नहीं. सरकारें आती हैं और जाती हैं. पार्टियां नीतियां और विचार छोड़ देती हैं. हमारी सरकार 10 साल तक चली. लेकिन हमने विचार या नीति नहीं छोड़ी है.

राहुल गांधी पर तंज

अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि राहुल गांधी ने कितने चुनाव जीते हैं? उन्होंने आगे कहा कि एक परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 85 प्रतिशत अंक मिले तो वह निराश था लेकिन 20 प्रतिशत अंक पाने वाले छात्र को 30 प्रतिशत अंक मिले तो वह गांव में मिठाई बांटने लगे. यह मूर्खता है. हमारी सरकार बन रही है. इसलिए निराशा को त्याग कर नए जोश के साथ काम में जुट जाएं.

भाजपा को संसदीय समितियों की चिंता

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी को 16वीं और 17वीं लोकसभा में संसदीय समितियों की चिंता नहीं करनी पड़ी थी. यहां तक की लोक लेखा समिति यानी पीएसी को लेकर भी वह चिंता में नहीं थी. हर जगह भाजपा के सांसद भरे हुए थे.

संसद की ज्यादातर स्थायी समितियों की अध्यक्षता सीधे भाजपा के हाथ में थी या उसकी सहयोगी पार्टियों के हाथ में थी. जिन संसदीय समितियों की अध्यक्षता विपक्षी पार्टियों को मिली थी उनमें भी बहुमत भाजपा और एनडीए का ही था. 16वीं लोकसभा में भाजपा की अपनी सीटें 284 थीं और 17वीं लोकसभा में 303 थीं. एनडीए के सांसदों की संख्या साढ़े तीन सौ के करीब थी. तभी भाजपा को संसद की स्थायी समितियों की चिंता नहीं करनी पड़ती थी. लेकिन 18वीं लोकसभा में तस्वीर बदल गई है. भाजपा 240 सीटों पर है और एनडीए की संख्या तीन सौ से नीचे आ गई है. एनडीए की सीटें कम होने और विपक्ष की सीटों में बढ़ोतरी होने का सीधा नतीजा यह हुआ है कि अनेक स्थायी समितियां सत्तारूढ़ गठबंधन के हाथ से निकल गई हैं.

सबसे अमीर उम्मीदवार कैप्टन अभिमन्यु

अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में भूपिंदर सिंह हुड्डा और अभय सिंह चौटाला

चंडीगढ़. हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में सबसे अमीर उम्मीदवार कैप्टन अभिमन्यु हैं, जो भाजपा की ओर से नारनौंद सीट से चुनाव लड़ रहे हैं.

उन्होंने अपनी संपत्ति 417 करोड़ रुपये घोषित की है, जिसमें बॉन्ड, डिबेंचर और शेयरों में 251 करोड़ रुपये शामिल हैं. अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और आईएनएलडी नेता अभय सिंह चौटाला शामिल हैं, जिनकी संपत्ति भी अधिक है. बता दें कि जैसे-जैसे वोटिंग की तारीख नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे चुनाव प्रचार जोर पकड़ रहा है. हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रचार में सभी दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है. राज्य में सीधा मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच है. बता दें कि हर चुनाव में करोड़पति उम्मीदवार देखने को मिलते हैं.

निर्दलीय लड़ रही दूसरी सबसे अमीर

हरियाणा चुनाव में दूसरी सबसे अमीर उम्मीदवार सावित्री जिंदल हैं, जो हिसार से एक निर्दल उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रही हैं. उन्होंने 270 करोड़ रुपये की संपति घोषित की है. जिंदल परिवार की राजनीतिक और औद्योगिक विरासत के कारण वह भी एक प्रमुख उम्मीदवार है. अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और आईएनएलडी नेता अभय सिंह चौटाला शामिल हैं, जिनकी संपति भी अधिक है.

विशेष | क्या है कांग्रेस की रणनीति

दलितों और ओबीसी पर क्यों है बीजेपी का फोकस

नई दिल्ली. जाति भारतीय समाज की सच्चाई है. यह चुनावी राजनीति में उभर कर सामने आती है. इन दिनों चल रहे हरियाणा विधानसभा के चुनाव में भी जाति का इस्तेमाल जमकर हो रहा है. बीजेपी जहां गैर जाट वोटों को सहेजने की कोशिश कर रही है, वहीं कांग्रेस जाट वोटों के सहारे मैदान में है.दोनों दलों की इस कोशिश को उनके प्रचार-प्रसार और टिकट वितरण में भी देखा जा सकता है. कांग्रेस ने सबसे अधिक 35 जाटों को टिकट दिए हैं.

वहीं बीजेपी ने ओबीसी पर भरोसा जताते हुए उसे 24 टिकट दिए हैं. ओबीसी को टिकट देने में कांग्रेस भी पीछे नहीं है, उसने 20 टिकट ओबीसी को दिए हैं. हरियाणा में बीजेपी दलित, आरक्षण, ओबीसी का मुद्दा उठा रही है.वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी शैलजा में मतभेद की बात को हवा देकर भी जाति की राजनीति हो रही है.

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों हरियाणा में दो रैलियों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस को दलित विरोधी साबित करने की कोशिश की. गोहाना में उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दलितों और ओबीसी को ठगने का काम किया है. उन्होंने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा की सरकार थी. उन्होंने कहा कि हुड्डा को सरकार में शायद ही ऐसा कोई साल रहा हो, जिसमें दलितों और ओबीसी के उत्पीड़न की घटनाएं न हुई हों. उन्होंने यहां तक कह दिया कि आरक्षण का विरोध करना कांग्रेस के डीएनए में है. लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के एक कथित आरक्षण विरोधी बयान को लेकर बीजेपी उन पर हमलावर है. केवल प्रधानमंत्री मोदी ही नहीं बल्कि बीजेपी के दूसरे बड़े नेता भी कांग्रेस को आरक्षण और दलित विरोधी साबित करने में लगे हुए हैं. वो दलितों और ओबीसी के मुद्दे से अपना ध्यान नहीं हटाना चाहते हैं. वोटों की इसी लड़ाई को ध्यान में रखकर ही बीजेपी ने हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाया है.

हरियाणा के समाज की संरचना

अगर हम हरियाणा के समाज की जातिगत संरचना की बात करें तो ओबीसी की आबादी करीब 35 फीसदी है. यह राज्य में मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग है. ओबीसी के बाद दूसरे नंबर की आबादी जाट जाति की है. माना जाता है कि हरियाणा में जाट आबादी करीब 27 फीसदी है. तीसरा सबसे बड़ा वोट बैंक दलित का है, जिनकी आबादी 20 फीसदी से अधिक मानी जाती है. राज्य में अनुसूचित जाति के लिए 17 सीटें रिजर्व है. यानी बीजेपी जिस ओबीसी और दलित समुदाय के हितों की बात कर रही है, उसकी आबादी राज्य में 55 फीसदी से अधिक की है.